

Item Code: 641

Participant Code: 114

समय की प्रतीक्षा से, सादगी की सरलता

आजा मेरे प्यारे सपने सुनो मुझे कुछ कहना हैं। पाना जितना चाहने लगे उतना ही तुम दूर खड़े।

> स्मूरज जितना बनना है तो स्मूरज जितना जलना होगा सपने सागर पाना है तो

प्रतीक्षा से समय बिताना होगा ।

स्रोचित - भिरते समय बिता है

सादगी जी सरलता पाकर

प्रमय पर , उज्बल यय की यमसीता यी , अपने और बड़ाकर ।

वे सब मिलका यह बोने

अनाजा भेरे प्यारे सप्ने ।

मिलकर इम बुस धारी को

बना देंगे एक सच्चा कह।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).



		•	1	ľ	
Item	Code:	 0		ı	

Participant Code: 114

द्वीरे जितना तपता हैं
उनना खूब चमकना है।
्रह्म जितने परिश्रम करें
उत्ते मधुर फल प्राप्त करें।
श्वनकता धूर हुँसी दिलामें
कड़वी सच ही ऋह बनायें।
अाजा मेरे प्यारे सप्ने
स्पनों के स्विधान की
सपनो के रचिया को व्यूशी दिलायें।
अर्थार् पर उद्भा है तो
पर्वत से अब नीचे उतरे ::
मानव जैसा बनना है तो
शादगी उद्दाकर संख्या पाओं ।
समय की प्रतीक्षा से आगें बढ़कर
कह को अपने थाद दिलाओं ।
अपने अपने निफरन कि की
समद्गीता से श्वीचने केलिएं बुसारें
सिर्फ खुपे होंगे ।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki.

So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).



T.	Code:	4	П	
Item	Code:	 Ю.		

Participant Code: 114

	000	भ	9.	ने	3.	3	ा भोद	. 3	₹	द	रत गते	10 T	्र बु	अप	नु	4	वि	ì		क्री			40	ह्य		से			Set					一			
																.2	ना	जा	1	4	रे		12	नारे	-	r	न	न्त्रे									
																						+						_									
																														•			,	Ŀ			
																						स														1	
				*													t	to	4	त्र		वें	3		मे	रो		न	t	सं	क	100	म	X	He	ia.	5
							•										. 7	स	20	त		मे	ŕ	il													,
																					,																
•			•													•																					
																		•														•					
							•2																														25
						٠																															
												•																									
													•																						•		